

वर्ष-23 अंक- 18
पृष्ठ 8
शनिवार
03 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खाना दोबारा गरम करते समय...

विचार- देश में बड़े बदलाव की शुरुआत

खेल- शुभमन गिल की नजरें क्लीन स्वीप...

सीएम योगी ने खरीदी खादी, बोले-

बापू का चरखा सिर्फ चरखा नहीं, आत्मनिर्भर भारत का आधार

लखनऊ, संवाददाता । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दोनों महापुरुषों को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने हजरतगंज स्थित श्री गांधी आश्रम खादी ग्रामोद्योग बोर्ड भवन भंडार पहुंचकर खादी के वस्त्रों की खरीदारी की और प्रदेशवासियों से खादी को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।



देश की आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रतीक हैं। योगी ने कहा कि पहले ग्राम स्वराज को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते थे, लेकिन वास्तविकता यह थी कि गांवों को उपेक्षित छोड़ दिया गया था। अब गांवों को स्वावलंबन का आधार बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरकार ने हर गांव में ग्राम सचिवालय का गठन किया है। इनके माध्यम से गांव में ही चार से सात लोगों को रोजगार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने

कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखता है, वह भावी पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उनके मुताबिक नया भारत महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। गांधी जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ने खादी को लेकर प्रदेशवासियों के लिए छूट की घोषणा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि खादी भारत की स्वाधीनता का मंत्र रही है और प्रदेश सरकार ने

खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी की छूट उपलब्ध कराई है। उन्होंने लोगों से खादी खरीदने और इसे जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे कारीगरों, हस्तशिल्पियों और बुनकरों के हुनर को सम्मान मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महात्मा गांधी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती है। उन्होंने कहा कि बापू का स्वदेशी से स्वावलंबन का संदेश भारत की

आजादी के आंदोलन का महत्वपूर्ण मंत्र बना। योगी ने कहा कि गांधी के नेतृत्व में आजादी का आंदोलन व्यापक जनांदोलन में बदल गया। इसमें देश के गांवों तक के लोग जुड़े और आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी का आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का मंत्र विकसित भारत की आधारशिला बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकल टू ग्लोबल की बात करते हैं। योगी के मुताबिक गांवों कारीगरों, हस्तशिल्पियों और बुनकरों के उत्पादों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें बाजार उपलब्ध कराना स्वतंत्रता आंदोलन के महीने के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी एक माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को जनांदोलन में बदलने का काम किया। उनके स्वदेशी, स्वच्छता और स्वावलंबन से जुड़े विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

कैप्टन स्मित मच्छार ने देशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया: मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई लोगों की जान बचाने वाले जांबाज पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से शुक्रवार को टेलीफोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना और कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले के दौरान दिखाई गयी उनकी अदम्य वीरता, तेजी से फैसला करने की क्षमता और सूझबूझ की सराहना की। श्री मोदी ने सऊदी अरब में इलाज करा रहे कैप्टन मच्छार से फोन पर हुई बातचीत के दौरान कहा कि संकट की घड़ी में सेकंड के बेहद छोटे हिस्से में लिये गये उनके फैसले ने सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि गंभीर चोटें आने और जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्ष करने के बावजूद अपनी जान की परवाह न करते हुए यात्रियों की रक्षा कर कैप्टन मच्छार ने 140 करोड़ देशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती का संदर्भ देते हुए कहा



कि आज पूरा देश गर्व से कह सकता है, हम जान लेने वाले नहीं बल्कि जान बचाने वाले लोग हैं और कैप्टन स्मित मच्छार ने वास्तविक जीवन में अहिंसा एवं रक्षा के भाव को चरितार्थ किया है। अगर यह घटना नहीं रोकी गयी होती तो भारत और भारतीय पायलटों की वैश्विक छवि पर गहरा असर पड़ता। कैप्टन मच्छार ने श्री मोदी के साथ उस भयानक हादसे के अनुभव साझा करते हुए बताया कि हमले में गंभीर रूप से घायल होकर गिर जाने के बाद भी उन्हें अहसास हुआ कि विमान तेजी से नीचे की ओर जा रहा

चुनाव आयोग ने छूटे हुए मतदाताओं को पंजीकृत करने को विशेष

अभियान चलाने का दिया निर्देश

नयी दिल्ली, एजेंसी । चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में छूट गए पात्र मतदाताओं के नामों को फिर से शामिल करने के लिए उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मुख्य चुनाव अधिकारियों, जिला चुनाव अधिकारियों और चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को एक विशेष अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। इस निर्देश में खासकर युवाओं और पहली बार मत देने वालों पर अधिक ध्यान देने को कहा गया है। आयोग ने गुरुवार को लिखे एक पत्र में कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को लगातार अद्यतन करने के हिस्से के तौर पर की जाएगी। इसमें उन लोगों की पहचान की जाएगी जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया से पहले की मतदाता सूची में थे लेकिन मौजूदा सूची में नहीं हैं। इसके साथ ही नये योग्य मतदाताओं के पंजीकरण में भी मदद की जाएगी। यह निर्देश पहली अक्टूबर को सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ आयोग की बैठक के बाद और 29 सितंबर की बातचीत के क्रम में आया है।



भाजपा से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर प्रवीण जैन पर फायरिंग की साजिश नाकाम, 4 आरोपी गिरफ्तार



नॉर्थ दिल्ली, एजेंसी । पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है जो कथित तौर पर गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम का इस्तेमाल

करके दिल्ली-एनसीआर में कॉन्ट्रैक्टरों और व्यापारियों से रंगदारी की कौल करता था। पुलिस ने बताया कि गैंग के मुख्य

सदस्यों और कथित शूटर्स समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियाँ तब हुईं जब गैंग कथित तौर पर नॉर्थ दिल्ली में बीजेपी से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर प्रवीण जैन पर गोलीबारी की योजना को अंजाम देने वाला था। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के समय शूटर्स दिल्ली पहुंच चुके थे और हमले की तैयारी चल रही थी। पुलिस ने बताया कि गिराह दुबई से दिल्ली-एनसीआर में ठेकेदारों और व्यापारियों को फोन करवाता था।

मतदाता सूची से मृत और गैर-भारतीयों के नाम हटने चाहिए : शिवराज सिंह चौहान

पणजी, एजेंसी । केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि मृत लोगों और गैर भारतीयों के नाम मतदाता सूची में नहीं रहने चाहिए। गोवा सरकार द्वारा पोंडा में आयोजित 'सेवा की कहानी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एसआईआर पर उठाई जा रही आपत्तियों पर सवाल किया। चौहान ने वहां मौजूद लोगों से सवाल किया, "अगर मतदाता सूची में कोई गलत नाम है, अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए? क्या उसे हटा देना चाहिए? अगर कोई भारत का नागरिक नहीं है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए?" चौहान ने यह टिप्पणी एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक बहस और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के दावों के बीच आई है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि "कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।" केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब वह चुनाव हारती है, तो निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है, जबकि चुनाव जीतने पर वह चुनाव प्रक्रिया को स्वीकार करती है। उन्होंने कांग्रेस के 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र को कमजोर किया था। चौहान ने कहा, "लोकतंत्र खतरे में नहीं है। अगर किसी ने लोकतंत्र को कुचलने का पाप किया था, तो वह कांग्रेस थी। दिल्ली कोर्ट ने 2018 के मेट्रो लूट और फायरिंग मामले में दो आरोपियों को किया बरी

नयी दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में एक मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति से लूटपाट करने और गोली मारने के आरोपी दो लोगों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनकी हमलावरों के रूप में पहचान स्थापित करने में विफल रहा और बरामद पिस्तौल को गोलीबारी से वैज्ञानिक तरीके से जोड़ नहीं सका। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिवंकल वाघवा ने दीपक उर्फ गोल्ड और शानू उर्फ फुरकान के खिलाफ मामले की सुनवाई की। दोनों पर करावल नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और

शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने गत 28 सितंबर के आदेश में कहा कि चश्मदीद गवाह ने आरोपियों की पहचान नहीं की और अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं कर पाया है।

अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता आस मोहम्मद ही घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह था और अभियोजन पक्ष के मामले की पुष्टि के लिए न तो कोई सीसीटीवी फुटेज थी और न ही कोई अन्य चश्मदीद गवाह था। अभियोजन पक्ष के अनुसार 27 अप्रैल 2018 को आस मोहम्मद जवाहर नगर मेट्रो स्टेशन गया था, जहां तीन लड़कों ने उसका मोबाइल फोन छीनने की कथित तौर पर कोशिश की। उसके विरोध करने पर उनमें से एक ने देसी पिस्तौल से उस पर कथित तौर पर गोली चला दी, जिससे उसका दाहिने हाथ घायल हो गया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि पुलिस ने अगले दिन दीपक और शानू को पकड़ लिया और शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शानू की निशानदेही पर एक देसी पिस्तौल बरामद की।

एसआईआर पर बवाल: 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारी हिरासत में

इंटरनेट सेवा बंद, मेट्रो के 12 स्टेशन बंद

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, आतिशी और संजय सिंह के साथ-साथ कुछ छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं सहित 700 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। राजनीतिक दल और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स



फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) और अन्य छात्र संगठनों के सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित

अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

कमरतोड़ महंगाई से जनता को कब छुटकारा दिलायेगी मोदी सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस ने कहा है कि महंगाई सिर्फ बाजार के आंकड़ों में नहीं बढ़ रही है बल्कि इसका असर हर मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार की रसोई में महसूस किया जा रहा है और हालात यह हो गये हैं कि त्योहारों के मौसम में रसोई का बजट तीन महीने में 25 प्रतिशत तक बढ़ गया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमोटी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि एक समाचार में एक गृहिणी ने बताया है कि

उनकी आय केवल 35,000 रुपये है और इतनी सीमित आय में रसोई का खर्च संभालना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अहसास है कि महंगाई के इस दौर में परिवार अपने घर का बजट कैसे संभाल रहे होंगे। उन्होंने कहा कि अरहर दाल 105 रुपये से बढ़कर 140-150 रुपये किलो, मूंग 95 रुपये से 120 रुपये, चावल 42-45 रुपये से 53-55 रुपये और सरसों तेल 165 रुपये से 190 रुपये लीटर

पहुंच गया है। श्री रमेश ने कहा कि सरकार के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में खाद्य महंगाई 5.95 प्रतिशत रही।

प्याज 48.27 प्रतिशत, अदरक 73.82 प्रतिशत और लहसुन 43.60 प्रतिशत महंगा हुआ। दाल, मसाले, सब्जियां और तेल समेत जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढोत्तरी से आम परिवार प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सरकार के आंकड़े बताते हैं कि घरेलू बचत घट रही है और परिवारों पर कर्ज बढ़ रहा है।



शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

एनसीआर रेलवे: स्वच्छता पखवाड़े में उत्तर मध्य रेलवे ने रचा नया रिकार्ड, 12,246 सीटीयू का कार्याकल्प

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे में 17 सितंबर से शुरू हुआ ‘स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2026’ 2 अक्तूबर को ‘स्वच्छ भारत दिवस’ के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान रेलवे ने 14,837 स्वच्छता लक्षित इकाइयों (बूज) को चिन्हित किया और 12,246 से अधिक



का कार्याकल्प किया। पखवाड़े में 4,770 कार्यक्रम हुए, जिनमें करीब 55 हजार लोगों ने भाग लिया। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय सूबेदारगंज में 2 अक्तूबर को ‘स्वच्छ भारत दिवस’ के अवसर पर ‘स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2026’ का समापन हुआ। कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक राजकुमार वानखेड़े ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि भी दी गई। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के मार्गदर्शन में 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक चले पखवाड़े में रेलवे बोर्ड के पांच प्रमुख स्तंभों के तहत 4,770 कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेलवे बोर्ड ने 3,500 सीटीयू चिन्हित करने का लक्ष्य दिया था, जबकि उत्तर मध्य रेलवे ने 14,837 सीटीयू चिन्हित किए। इनमें से 12,246 से अधिक का कार्याकल्प किया गया।

युवाओं को जागरूक करने के लिए 555 स्वच्छता पाठशालाएं और सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए 116 सुरक्षा शिविर लगाए गए। जनभागीदारी के 837 कार्यक्रमों में करीब 55 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा ‘स्वच्छता से समृद्धि’ के तहत 284 और विश्व पर्यटन दिवस पर 124 विशेष स्वच्छता कार्यक्रम हुए। ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत मुख्यालय में पौधरोपण भी किया गया। उत्तर मध्य रेलवे वित्त वर्ष 2026–27 में 2 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

बाबूलाल भंवरा को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी

प्रयागराज। भाजपा अनुसूचित मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बाबूलाल भंवरा को कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। बृहस्पतिवार को मऊआइमा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बैठक कर शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुधीर मौर्या ने की, जबकि संचालन निमिष खत्री ने किया। कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष का मात्स्यार्पण कर स्वागत किया। बाबूलाल भंवरा ने बताया कि वह 1982 से 2024 तक बहुजन समाज पार्टी से जुड़े रहे। मौके पर धर्मेंद्र पासी, ऋषि प्रजापति, जयप्रकाश पटेल, सुरेंद्र पासी, संजीव मौर्या और जयचंद्र आदि रहे।

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग किसान की मौत

प्रयागराज। दो दिन पहले सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग किसान की इलाज के दौरान सोरांव के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शब को पोस्टमार्टम भेज दिया। नवाबगंज के दुबरा जगदीशपुर निवासी बुद्धू पटेल(58) मंगलवार की शाम फसल देखने जा रहे थे। जैसे वह कौड़िहार–उठगी रोड गांव के सामने पहुंचे। एक अनियंत्रित बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गए। मृतक के बेटे ओमप्रकाश पटेल ने बताया कि बुधवार की रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सुलतानपुर खास मार्ग गट्टे में तब्दील, ग्रामीणों में नाराजगी

प्रयागराज। मऊआइमा में ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चलने से कस्बे को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग अवरुद्ध है। ऐसे में छोटे–बड़े सभी वाहन सुल्तानपुर खास गांव के अंदर से होकर गुजरने वाली जिला पंचायत की सड़क से निकल रहे हैं। वाहनों के अंधाधुंध आवागमन से पूरी सड़क क्षतिग्रस्त गट्टे में तब्दील हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह–जगह गहरे गट्टे हो गए हैं। हल्की बारिश में ही पानी भर जाता है, जिससे बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्कूली बच्चों और महिलाओं को आने–जाने में भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीण शशिधर मिश्रा, दीपक मिश्रा और ऋषि प्रजापति ने बताया कि कई बार जिला पंचायत और पीडब्ल्यूकी को शिकायत दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ओवरब्रिज का काम लंबे समय से चल रहा है, ऐसे में यही एकमात्र वैकल्पिक रास्ता बचा है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

चौपाल में महिलाओं को दी कानूनी जानकारी

प्रयागराज। मिशन शक्ति अभियान फेस–5.0 के दूसरे चरण के तहत बृहस्पतिवार को भरहा आंगनबाड़ी केंद्र में नारी शक्ति की चौपाल लगाई गई। मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी वंदना सिंह ने कहा कि महिलाएं किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को बर्दाश्त न करें। हिचकिचाए बिना पुलिस को सूचना दें। सरकार उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर टीम सदस्य शिखा, रोशनी आदि मौजूद रहे। भीरपुर में पुलिस टीम ने लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम किया। प्रधानाचार्य संतोष कुमार शुक्ला ने इसकी अध्यक्षता की।

मारपीट में घायल महिला की मौत, शव घर पहुंचते ही हंगामा

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के कांंदी गांव में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 10 दिन पहले मारपीट में घायल हुई थी। बुधवार देर रात शव घर पहुंचने पर परिजनों ने हंगामा किया। मृतक महिला का नाम सवारी देवी था। उनका पीजीआई लखनऊ में इलाज चल रहा था। बुधवार देर रात शव घर पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में और धाराएं बढ़ाने की मांग की। साथ ही आरोपी के मकान पर बुलडोजर चलाने की भी मांग की। जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह पुलिस टीम और पीएसी बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को काफी देर तक समझाया–बुझाया। पुलिस ने मुकदमे में धारा बढ़ाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि परिजनों की मांग पर पहले से दर्ज मुकदमे में धारा 304 बढ़ा दी गई है। बृहस्पतिवार को छतनाग घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया।

पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, बोली– एसडीएम लेखपाल के नाम पर कूदकर जान दे दूंगी

प्रयागराज। हाईकोर्ट के पास पानी की टंकी पर शुक्रवार को एक महिला चढ़ गई। उसने एक वीडियो जारी करके चेतावनी दी कि डीएम, एसडीएम, थाने और चौकी का चक्कर लगाते लगाते वह एक साल से परेशान हो गई है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

हाईकोर्ट के पास पानी की टंकी पर शुक्रवार को एक महिला चढ़ गई। उसने एक वीडियो जारी करके चेतावनी दी कि डीएम, एसडीएम, थाने और चौकी का चक्कर लगाते लगाते वह एक साल से परेशान हो गई है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। अब वह ऊब गई है और एसडीएम और लेखपाल के नाम पर कूदकर अपनी जान दे देगी। भगवतपुर ब्लॉक में मंदिर की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी अधिकारियों के यहां कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस उसको समझाने का प्रयास कर रही है। नीचे भीड़ को देखते हुए एकलव्य

महानिर्वाणी अखाड़े में धूमधाम से मनी भगवान कपिल महामुनि की जयंती, गूंजे जयकारे

प्रयागराज। प्रयागराज के दारागंज स्थित श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में शुक्रवार को भगवान कपिल महामुनि की जयंती षष्ठी महोत्सव के रूप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न अखाड़ों से पहुंचे संत–महंतों ने भगवान कपिल मुनि का अभिषेक, पूजन और पुष्पांजलि कर आशीर्वाद लिया।

दारागंज स्थित श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के प्रधान कार्यालय में शुक्रवार को भगवान कपिल महामुनि की जयंती षष्ठी महोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न अखाड़ों से पहुंचे संत–महंतों ने भगवान कपिल मुनि का पूजन–अर्चन कर पुष्पांजलि अर्पित की। महोत्सव की शुरुआत अखाड़े

चौराहे से रूट डायवर्जन कर दिया गया है। भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।



ग्रामसभा भगवतपुर में मंदिर से जुड़ा है मामला हाईकोर्ट परिसर के पास शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक महिला पानी की टंकी के ऊपर चढ़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को नीचे उतारने के

के आराध्य भगवान कपिल मुनि के विग्रह के अभिषेक से हुई। इसके बाद माला और पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजा–अर्चना की गई। हवन के बाद मंदिर सम्मानित किया। इसके बाद आयोजित भंडारे में संत–महंतों ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत यमुना पुरी जी ने बताया कि श्री पंचायती अखाड़ा

के आराध्य भगवान कपिल मुनि के विग्रह के अभिषेक से हुई। इसके बाद माला और पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजा–अर्चना की गई। हवन के बाद मंदिर सम्मानित किया। इसके बाद आयोजित भंडारे में संत–महंतों ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत यमुना पुरी जी ने बताया कि श्री पंचायती अखाड़ा

के समक्ष संत–महंतों ने भगवान कपिल मुनि को पुष्पांजलि अर्पित की। अखाड़े के महंत एवं सचिव यमुना पुरी जी ने विभिन्न अखाड़ों से आए संत–महंतों का स्वागत किया। उन्होंने संतों को तिलक लगाकर माला पहनाई और

महानिर्वाणी में परंपरा के अनुसार हर वर्ष भगवान कपिल महामुनि की षष्ठी का आयोजन किया जाता है। देशभर में स्थित अखाड़े की शाखाओं में भी यह पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया

पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रेप, के.जी. एवं कक्षा के बच्चों द्वारा महात्मा गांधी जी



जयंती श्रद्धा, गरिमा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई। पतंजलि नर्सरी स्कूल, प्रयागराज में राष्ट्रपिता गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की



लिए समझाने का प्रयास शुरू किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। बताया जा रहा है कि महिला ऊपर से कुछ

महिला से लगातार बातचीत कर उसे नीचे उतारने का प्रयास कर रहे हैं। उसने एक कथित वीडियो भी जारी किया है जिसमें कहा कि वह अधिकारियों के यहां चक्कर काटते–काटते परेशान हो गई है। एसडीएम और लेखपाल के नाम पर वह कूदकर जान दे देगी। हालांकि अमर उजाला इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

पत्र नीचे फेंक रही है। इनमें ग्राम सभा भगवतपुर, थाना एयरपोर्ट क्षेत्र के भूखंड प्रकरण और प्राचीन हनुमान मंदिर से जुड़े विवाद का उल्लेख है। एक पत्र पर प्रार्थना पूनम दुबे पत्नी ननकू दुबे लिखा होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस और अन्य लोग

हैं जिसमें कहा कि वह अधिकारियों के यहां चक्कर काटते–काटते परेशान हो गई है। एसडीएम और लेखपाल के नाम पर वह कूदकर जान दे देगी। हालांकि अमर उजाला इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

कि भगवान कपिल महामुनि महानिर्वाणी अखाड़े के इष्टदेव हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान कपिल विष्णु के पांचवें अवतार माने जाते हैं। सगर के 60 हजार पुत्रों के भस्म होने और उनके उद्धार से जुड़ी कपिल मुनि की कथा भारतीय धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखती है। मान्यता है कि पितृ पक्ष में भगवान कपिल मुनि की षष्ठी के अवसर पर प्रसाद ग्रहण करने से पितरों को परम गति प्राप्त होती है। महोत्सव में बाघंबरी

मठ के श्री महंत बलवीर गिरि जी, उदासीन नया अखाड़ा के सचिव महंत जगतार मुनि जी महाराज, निर्वाणी अणि अखाड़े के महंत गोपाल दास जी, अटल अखाड़े सहित विभिन्न अखाड़ों के संत–महंत मौजूद रहे।

छह लाख की लूट निकली फर्जी, एजेंट ने साथी संग रची थी साजिश

राया में झूठी लूट की सूचना देकर रकम हड़पने का प्रयास, दो गिरफ्तार; छह लाख रुपये बरामद अतुल कुमार जिंदल मथुरा। राया थाना क्षेत्र में छह लाख रुपये की लूट की सूचना का पुलिस ने खुलासा करते हुए इसे रकम हड़पने की साजिश



बताया है। थाना राया पुलिस, एसओजी, स्वाॅट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर छह लाख रुपये बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कुलदीप सिंह (33) निवासी सरकोरिया, अलीगढ़ और अजीत (33) निवासी नगला बधिया, अलीगढ़ हैं। दोनों को ग्राम हरोथा के बाहर सरकारी स्कूल के पार्क के पास से रात करीब 12रू42 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, कुलदीप वादी का एजेंट था। उसने साथी अजीत के साथ मिलकर छह लाख रुपये हड़पने की योजना बनाई। बैंक से रकम निकालने के बाद अजीत को सौंप दी गई और दोनों ने रकम हरोथा में छिपा दी। इसके बाद बाइक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त कर कुलदीप ने खाली बैग के साथ लूट की झूठी सूचना वादी और डायल–112 को दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने साजिश का खुलासा करते हुए छह लाख रुपये बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना राया पर मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई में ये रहे शामिलरू सीओ महावन संजीव कुमार राय,प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह, व0उ0नि0 उमेश सिंह, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप चौधरी, स्वाॅट प्रभारी उपनिरीक्षक महावीर सिंह, सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक विकास शर्मा, उपनिरीक्षक इंतजार अली, उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह सहित थाना राया, एसओजी, स्वाॅट व सर्विलांस टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

बंद मकान में फंदे से लटका मिला युवक का शव

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी स्थित मिश्रा बांध दगवा में बृहस्पतिवार को बंद पड़े पुराने कच्चे मकान में 26 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिला। दो दिन से घर से लापता युवक की तलाश की जा रही थी। मकान से दुर्गंध उठने पर घटना की जानकारी हुई। दगवा निवासी रामबाबू कुशवाहा पैर से दिव्यांग हैं, जबकि उनकी पत्नी अनीता दोनों आंखों से दिव्यांग हैं। उनका इकलौता बेटा प्रमोद कुशवाहा (26) मंगलवार से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। बृहस्पतिवार को बंद पड़े पुराने मकान से दुर्गंध आने पर लोगों ने दरवाजा खोलकर देखा तो प्रमोद रस्सी के सहारे फंदे से लटका मिला प्रमोद की करीब 10 वर्ष पहले घूरपुर के उभारी गांव निवासी कंचन से शादी हुई थी। दंपती के पांच वर्षीय बेटा दिव्यांश और तीन वर्षीय बेटी पीहू हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

ससुराल में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। क्षेत्र के पांती गांव में बृहस्पतिवार शाम को एक विवाहिता पंखे में साल का सहारा लेकर फांसी के फंदे से झूल गई। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच–पड़ताल में पता चला है कि पुणे में रह रहे पति से फोन पर उसकी वार्ता हो रही थी कि अचानक वह नाराज होकर कमरे को अंदर से बंदकर फांसी के फंदे से झूल गई। जिससे उसकी जान चली गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे एसीपी मेजा बुजेश पाठक ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच–पड़ताल कराई। विवाहिता की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मेजा थाना क्षेत्र के पांती गांव के चिंतामणि पुणे में प्राइवेट नौकरी करता है। उसकी पत्नी गायत्री देवी (21) अपने डेढ़ साल के बेटे और सास–ससुर के साथ यहां घर पर रहती थी। बताया जाता है कि पति से फोन पर बात करते–करते वह नाराज हो गई। बस फोन काटकर कमरे में गई वहां पर साल का सहारा लेकर पंखे से फांसी के फंदे से झूल गई। जिससे उसकी जान चली गई। कुछ देर में परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका गायत्री की शादी तीन वर्ष पहले चिंतामणि के साथ हुई थी। उसका मायका सिकरा मांडा है। एसीपी मेजा बुजेश पाठक ने बताया कि मामले में जांच–पड़ताल की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी।

गंदगी से बजबजा रही नालियां, सड़क किनारे लगा कूड़े का ढेर

प्रयागराज। कस्बे में साफ–सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। विभिन्न मोहल्लों में कूड़े के ढेर लगे हैं और नालियों से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। करीब 10 हजार से अधिक आबादी वाले सोरांव कस्बे की सफाई की जिम्मेदारी मात्र दो सफाई कर्मियों के भरोसे हैं। ये कर्मी मोहल्लों के साथ–साथ सरकारी स्कूलों और कार्यालयों की भी सफाई करते हैं। बर्दश खाना, ताड़ी खाना, अरईश मोहल्ला, पूरब टोला और सोनार गली जैसे मोहल्लों में नालियां जाम हैं। गंदा और कीचड़ युक्त पानी रास्तों पर बह रहा है। कूड़े के ढेरों से उठने वाली दुर्गंध से लोगों का जीना दुस्वार् हो गया है। साफ–सफाई के अभाव में मच्छर और संक्रामक बीमारियों की आशंका से लोग भयभीत हैं।

पूरब टोला के रवि कुमार यादव ने बताया कि पूरब मोहल्ला को सोरांव तहसील से जोड़ने वाले मार्ग पर जलभराव और कीचड़ से राहगीरों को भारी परेशानी होती है। पूर्व प्रधान फारुक राईन ने कहा कि कूड़ा गाड़ी आती है, पर बिना रुके चली जाती है। इससे लोग कूड़ा इधर–उधर फेंकने को मजबूर होते हैं।

प्रसव के दौरान जच्चा–बच्चा की मौत, परिजनों ने साढ़े चार घंटे जाम रखा हाईवे

प्रयागराज। अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा–बच्चा की मौत के बाद बृहस्पतिवार को परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने प्रयागराज–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। करीब साढ़े चार घंटे तक हाईवे पर आवागमन बाधित रहा। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की तो परिजनों ने जाम हटाया।

सम्पादकीय.....

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

जम्मू–कश्मीर स्थित कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की ड्यूटी पर तैनात एक हिंसक साथी द्वारा चार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर छिपे खतरों की उरावनी तस्वीर उकरी है। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कौन्सेबल ने अपनी सर्विस ए.के–47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस वाकये में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरु हुई बहस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। विगत में भी मानसिक द्वंद से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं के निपटारे के लिये मजबूत सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है। दरअसल, दूर–दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलों तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मी के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर संवेदनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार रखना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका अभिप्राय यह कदापि नहीं है कि हर छोटा–मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुखद घटना को टाला जा सके। निस्संदेह, केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में ऐसे दुखद हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और असरदार निगरानी की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है। निस्संदेह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिहार्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन के लिये जवानों का ह्रदय शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए। कुछ वर्ष पूर्व गृह मंत्रालय की एक टास्क फोर्स ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कुछ जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या करने के मुख्य कारणों की पहचान की थी। जिसमें उल्लेख किया गया है कि कठोर सेवा शर्तें, छुट्टी मिलने में देरी–विशेषकर परिवार में आपात स्थिति के समय, आलोचना, उत्पीड़न पर प्रतिक्रिया तथा साथियों के अनुचित व्यवहार के कारण हिंसक प्रतिक्रियाएं बढी हैं। कठुआ की घटना की जांच में भी यह पता लगाया जाना चाहिए कि क्या इस मामले में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। यह दुखद है कि कि देश के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले देश के एक प्रमुख सुरक्षा बल ने अपने चार जवानों को असमय खो दिया है। निस्संदेह, उनकी मौत के लिये जवाबदेही तय होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी सशस्त्र बल के भीतर का मनमुटाव कभी इतने घातक परिणामों तक न पहुँच पाये। दरअसल, वक्त बदला है तो रोजगार के अवसर सिमटने के चलते उच्च शिक्षा हासिल युवा इन सुरक्षा बलों में भर्ती हुए हैं। जिंदगी में सुनहरे सपने लिये जब वे इन सुरक्षा बलों में आते हैं तो कठोर अनुशासन व सख्त नियमों के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। वहीं सुरक्षा बलों का ढांचा पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जो नई पीढ़ी की बदलाव की आकांक्षाओं के साथ तालमेल बैठाता नजर नहीं आता है। फलतरु जवानों की अपने अधिकारियों से अनेक मुद्दों पर वैचारिक भिन्नता हो सकती है। निस्संदेह, कठोर अनुशासन सुरक्षा बलों की अपरिहार्य शर्त होती है, लेकिन आज की पीढ़ी में पुरानी पीढ़ी जैसा धैर्य और सहनशीलता नजर नहीं आती है। जो कालांतर बड़े अडि कारियों के सख्त अनुशासित व्यवहार में बाधक होता है। निस्संदेह, देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वरुप को बदलते वक्त की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने की जरूरत है।

डॉ. दीपक पाचपोर

<i>कांग्रेस ने तो देश के तमाम राज्यों में विरोध I—प्रदर्शन किए और भाजपा सरकारों ने उन्हें कुचलने की आदतन कोशिश की। इसके बाद जब यह तय हुआ कि 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, फिर से चुनाव आयोग को बचाने की कोशिशें शुरु हो गईं।</i>

नरेन्द्र मोदी के सामने इस समय राहुल गांधी ने फिर से एक बड़ी चुनौती पेश कर दी है। भाजपा, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने चुनाव में धांधली की है। हम इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वालों को दंडित किया जाएगा, चाहे वे कितने भी वरिष्ठ पद पर क्यों न हों। भारत के लोकतंत्र से बड़ा कोई नहीं है। यह बातें जब बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कही, तो उनके शब्दों की गंभीरता को नजरंदाज करना मुश्किल था। राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं कि साल भर के भीतर मोदी सरकार चली जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि अब मोदी सरकार की बनाई व्यवस्था दरक रही है और भीतर से ही जानकारियां बाहर आ रही हैं। यह बात पहले से मोदी सरकार के लिए परेशानी का सबब थी और अब इंडिया गठबंान की बैठक ने भाजपा और चुनाव आयोग को और ज्यादा डरा दिया है। पिछले हफ्ते द इंडियन एक्सप्रेस ने चुनाव आयोग के भीतर ज्ञानेश कुमार के फैंसलों से असहमति का

चुनावी तानाशाही से खालिस तानाशाही की ओर!

राजेंद्र शर्मा स्वीडन के गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के वी—डेम इंस्टीट्यूट की डेमोक्रेसी रिपोर्टों में 2018 से यानी मोदीशाही के पहले कार्यकाल के आखिरी वर्ष से ही भारत को इश्लेक्टोरल ऑटोक्रेसीय या चुनावी तानाशाही की श्रेणी में रखा जाता रहा है। इस श्रेणी में ऐसे निजाम आते हैं जहां बहुदलीय चुनावी व्यवस्था तो बनी हुई है, फिर भी अभिव्यक्ति की आजादी, मीडिया की स्वतंत्रता, स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसी जनतंत्र की बुनियादी शर्तों के मामले में, किसी हद तक कमी रहती है। याद रहे कि वी—डेम इंस्टीट्यूट ने वैसे तो 2018 से ही मोदीशाही के भारत की पहचान चुनावी तानाशाही के रूप में करनी शुरु कर दी थी। फिर भी उसकी 2021 की उसकी डेमोक्रेसी रिपोर्ट में और ज्यादा पुख्ता तरीके से अपने इस चरित्रांकन को दोहराया गया। उसका यह चरित्रांकन इसलिए और पुख्ता हुआ था क्योंकि 2019 के बाद से जनतंत्र के तकाजों के हिसाब से गिरावट और बहुत आगे चली गयी थी। रिपोर्ट में इस गिरावट को मुख्यतरु मोदी राज में सामने आए रुझानों और खासतौर पर लिबरल डेमोक्रेसी इंडेक्स पर भारत के 2013 के 0.57 से अधिक 2020 के ऊंचे स्तर से गिरकर 2020 के आखिर तक 0.34 अंक पर आ जाने के साथ जोड़ा गया था। यह गिरावट

सनसनीखेज खुलासा किया था। इसके बाद से देश भर में विपक्ष ने चुनाव आयोग और मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया। कांग्रेस ने तो देश के तमाम राज्यों में विरोध—प्रदर्शन किए और भाजपा सरकारों ने उन्हें कुचलने की आदतन कोशिश की। इसके बाद जब यह तय हुआ कि 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, फिर से चुनाव आयोग को बचाने की कोशिशें शुरु हो गईं। भाजपा और एनडीए नेता तो चुनाव चोरी को नकारते हुए ज्ञानेश कुमार का बचाव कर ही रहे थे, अब बैनर—पोस्टर भी लगाए गए। दिल्ली में राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे नेताओं पर चुनाव में हार पर तंज कसते हुए पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरस में लगाने वालों का नाम नहीं लिखा है, जाहिर है जो कोई भी इनके पीछे है वो डरपोक है और छिप कर वार करने में यकीन रखता है। पाठकों को याद होगा कि इससे पहले आठ जून को इंडिया की एक अहम बैठक हुई थी, तब बंगाल चुनाव में धांधली का मामला ताजा था। तब भी राहुल गांधी के खिलाफ ऐसे ही पोस्टर लगे थे। उस बैठक में राहुल

गांधी ने प्रतिरोध की राजनीति करने का आह्वान विपक्ष से किया था। विपक्ष के बाकी दल तो खेर अपने एजेंडे और सुविध्ाओं के हिसाब से ही राहुल गांधी की बात पर आगे बढ़ते हैं, लेकिन इस देश के युवा ने जरूर कहे—अनकहे तरीके से राहुल गांधी की बात पर अमल करना शुरु किया। जंतर—मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के कहने पर युवा एकत्र हुए, लेकिन उसके बाद सीजेपी की बनाई लकीर से आगे बढ़ते हुए अपना प्रतिरोध मोदी सरकार के खिलाफ दर्ज किया। सोनम वांगचुक ने अनशन तोड़ा या सीजेपी के लोगों ने सरकारी नुमांइदों से मिलकर आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया, इन बातों से युवाओं के प्रतिरोध ा के जज्बे में कोई कमी नहीं आई। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में अलग—अलग मुद्दों पर युवा जिस तरह गलत के विरोध ा में आंदोलनरत हो रहे हैं, वह इसकी मिसाल है। इन युवाओं को एक बार फिर साथ आने का आह्वान इंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में किया है। ममता बनर्जी ने तो साफ कहा है कि ज्ञानेश कुमार तुरंत इस्तीफा दें वरना लंबा आंदोलन

चलाया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दलों के अलावा युवाओं, महिलाओं, एनजीओ के साथियों और पत्रकारों समेत समाज के हरेक तबके से लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में साथ आने की अपील की है। दो अक्टूबर से इंडिया गठबंधन देश के हर जिले में लोकतंत्र बचाओ मार्च निकालने जा रहा है, जो आठ अक्टूबर तक निकाला जाएगा। छह तारीख को सारे सांसद चुनाव आयोग तक मार्च निकालेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने का समय भी मांगा जाएगा। इसके अलावा पांच बड़ी रैलियां देश भर में अगले महीने होंगी और एक नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली करने का फैसला बैठक में लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में लबित एसआईआर और चुनावी मामलों से संबंधित सभी मामलों के शीघ्र निपटारे की अपील भी इंडिया के नेता करेंगे। यानी मोदी सरकार के खिलाफ प्रतिरोध हर तरीके से तेज किया जाएगा, यह तय हो चुका है। शायद यही वजह है कि अब भाजपा और चुनाव आयोग की घबराहट सामने नजर आ रही है। इंडिया की बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तंज कस रहे हैं कि इस

बैठक में अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन जैसे नेता नहीं आए क्योंकि इंडिया गठबंधन के लोग राहुल को अपना नेता नहीं मान रहे हैं। ऐसे बयान खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसे लगते हैं। उधर जिस फॉर्म 6 में बदलाव के जरिए 18 बरस की आयु पूरी कर चुके युवाओं का वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होने से रोका जा रहा था, उस मनमाने नियम पर भी इंडिया की बैठक से पहले चुनाव आयोग ने यू टर्न ले लिया, से पहले फॉर्म 6 में एक अलग घोषणापत्र भरवाया जा रहा था, जिसमें एसआईआर वाले प्रावधान के तहत नए मतदाताओं को यह बताना पड़ रहा था कि वे या उनके माता—पिता पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में शामिल थे या नहीं। इस पर चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह स्ू और विवेक जोशी ने आपत्ति जाहिर की थी। फिर सीजेपी और कांग्रेस ने भी इस पर सवाल उठाए कि ऐसे नियम से कई युवाओं का नाम वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं हो पा रहा है। लेकिन अब चुनाव आयोग ने इस अतिरिक्त घोषणापत्र को हटाने का फैसला कर लिया है। यानी विपक्ष का दबाव रंग ला रहा है।

के संबंध में पिछले हफ्ते—दस दिन में हुए रहस्योद्घाटन से और इन रहस्योद्घाटन पर देश भर में हुई व्यापक प्रतिक्रिया के सामने, समूची चुनाव प्रक्रिया को भीतर से ध्वस्त करने के अपने खेल को बचाने की कोशिश में, सत्ताधारियों के दबाव में चुनाव आयोग द्वारा बैठक कर जारी की गयी श्वसर्वसम्मत विज्ञप्तिर में नीति—परोक़ रूप से कबूल की गयी गड़बड़ियों से, एक केंद्रीय सच्चाई निकल कर आती है।

यह सच्चाई है, 140 करोड़ आबादी और करीब 100 करोड़ मतदाताओं के इस विशाल देश में, चुनाव व्यवस्था के बुनियादी कामों निर्णय प्रक्रियाओं का पूरी तरह से केंद्रीयकरण। यह केंद्रीयकरण, सारी चुनाव व्यवस्था राजधानी में बैठे केंद्रीय चुनाव आयोग के हाथों में केंद्रीयकरण तक ही सीमित नहीं रहता है। यह तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में भी वास्तविक शक्ति, एकलौते मुख्य चुनाव आयुक्त और उसके आदेश से बंधे अधीनस्थों के गुट के हाथों में सिमट जाने पर जाकर मुकम्मल होता है। और इस गुट की डेरियां सत्ता के शीर्ष पर बैठी जोड़ी के हाथ में है, जो नये कानून के अंतर्गत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भी है। बेशक, चुनाव आयोग में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के हाथों में शक्तियों के इस केंद्रीयकरण को, हाल के रहस्योद्घाटन से एक बड़ा ढाँका लगा है। इन रहस्योद्घाटन में यह जानकारी खास थी कि

पिछले दस महीनों में ही कम से कम 14 मौकों पर, मुख्य चुनाव आयुक्त के इतर, अन्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग के अलग—अलग निर्णयों पर अपनी आपत्तियां असहमतियां दर्ज करायी थीं।

कुछ मामलों में दो चुनाव आयुक्तों ने एक ही मुद्दे पर अलग—अलग अपनी आपत्तियां दर्ज करायी थीं, जो वास्तव में चुनाव आयोग का बहुमत होता था। चुनाव आयोग संबंधी कानूनों के अनुसार, आयोग के निर्णय सर्वसम्मति से और सर्वसम्मति

से संभव न हो तो, बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए। किंतु अत्यंतम में होते हुए भी, निर्णय की प्रक्रिया को तोड़—मरोड़कर मुख्य चुनाव आयुक्त के निर्णय को, कई मामलों में चुनाव आयोग का निर्णय बनाकर लागू कर दिया गया। यह खासतौर पर मतदाता सूचियों में नाम जोड़नेघटाने के सारे अधिकार ईसीआईनेट नाम के पूरी तरह से केंद्रीयकृत क कंप्यूटर तंत्र के हवाले किए जाने की महाविकृति के रूप में सामने आया। और इसी प्रकार

नये मतदाताओं से भरवाए जाने वाले फार्म—6 में अवैध संशोधन की एक और बड़ी विकृति के रूप में भी सामने आया। यह अवैध संशोधन, जिसे जोड़ने का चुनाव आयोग को कोई अधिकार ही नहीं है, 2026 से बनने वाले नये मतदाताओं के लिए, उनके माता—पिता या उनके भी माता—पिता की 2002 की मतदाता सूचियों में मौजूदगी की शर्त लगाता है, जोकि मताधिकार देने लिए पीढ़ी दर पीढ़ी निवास की निरंतरता साबित करने मांग करना है।

हिज़्रत (उर्दू लघु कथा)

मुस्कुराइये,आप लखनऊ में हैं! हस्बे साबिक यही बोर्ड पर लिखा था.. मगर बोर्ड रो रहा था,मोटे मोटे नाशज़ाहिर आँसू बहा कर रो रहा था! रेलगाड़ी के डिब्बे से उतर कर प्लेटफार्म पर साकित हुए एक हस्सास आशिके लखनऊ मुसाफिर ने इस दिल दोज़ कैफ़ियत को महसूस कर लिया.. फिर दिल यूँ तड़पा कि खड़े खड़े ही बोर्ड से पूछ बैठे.. अजीयत दिले दुश्मनों में घर करें.. यह तो अय्यामे अज़ा भी नहीं हैं! आप क्यों रंजीदा हैं नकीबे तबरस्सुम..
बोर्ड उसी तरह रोता रहा,कुछ नहीं बोला बोर्ड के पोल से पीठ टेकाये एक तहज़ीब आलूदा,दिल गिरपता, कदामत पोश,खरता जसामत और आजिज़ सुखन बुजुर्ग ने पुर यास आँखो से आशिके लखनऊ मुसाफिर को देख कर सर्द आह भरी..
रोइये हज़रत! वा हसरता कह कर रोइये..लखनऊ से लखनऊ हिज़रत कर गया!.. अर्थावली (हिज़त-क्षेत्र त्याग,स्थान तजना,स्थल छोड़ देना हस्बे साबिक—पूर्व स्वरुप,पहले की भांति नाशज़ाहिर—अदृश्य,न दिखने वाला साकित— निश्चल,स्थिर हस्सास— संवेदनशील,भावना पूर्ण अशिके लखनऊ मुसाफिर— लखनऊ प्रेमी यात्री दिल दोज़ कैफ़ियत— दिल को बैठा देने वाली दशा महसूस— आभास अजीयत— यातना, पीड़ा दिले दुश्मनों— बैरियों के हृदय अय्यामे अज़ा— शोक दिवस,मुहर्रम रंजीदा— दुखी नकीबे तबरस्सुम— मुस्कान घोष करने वाले तहज़ीब आलूदा— संस्कृति लिप्त दिल गिरपता— बाधित हृदय,पीड़ित मन कदामत पोश—पुरातनता का वस्त्र धारण करने वाला खस्ता जसामत— जर्जर काया आजिज़ सुखन— वक्तय बाध्य पुर यास— उदासीनता पूर्ण सर्द— ठंडी हज़रत— महोदय वा हसरता— हाय उदासीनता हिज़त—पलायन, क्षेत्र त्याग)
अनवार अब्बास नकवी

हिंदुस्तान को बदलने का घातक मंसूबा

सर्वमित्रा सुरजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सत्ता पर भाजपा का शिकंजा कस रहे हैं, इसके कई उदाहरण हाल—फिलहाल में सामने आ चुके हैं। द इंडियन एक्सप्रेस ने पिछले हफ्ते मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की असहमतियों, ईसीआईनेट के जरिए दिल्ली में बैठ कर राज्यों की मतदाता सूची से नामों को कटवाने समेत कई खबरों से पर्दा उठाया है। इसके बाद भाजपा जहां खुलकर चुनाव आयोग के बचाव में उतर आई है, वहीं खुद चुनाव आयोग ने भी बीते शनिवार एक बैठक कर उसका लंबा—बौड़ा स्पष्टीकरण दिया और बताया कि अब से चुनाव आयोग हर बैठक से पहले एजेंडा भी बनाएगा और बैठक के बाद उसके नोट्स भी जारी करेगा। यानी मामूली से मामूली बैठकों में भी जो सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाती है, वह चुनाव आयोग में अब तक नहीं अपनाई जा रही थी, यह खुद चुनाव आयोग ने बता दिया। बहरहाल, चुनाव आयोग की सफाई से ज्ञानेश कुमार का कितना बचाव हो पाएगा यह तय नहीं है। यह भी फिलहाल कहा नहीं जा सकता कि इस पूरे मुद्दे पर भाजपा के तमाम नेता तो बयान दे रहे हैं, लेकिन मोदी—शाह कुछ भी नहीं कह रहे हैं तो इसकी क्या वजह है। आम तौर पर होता यही है कि अगर विपक्ष की तरफ से गंभीर आरोप लगें तो सत्ता में शीर्ष पर बैठे लोग ही उसका जवाब देते हैं। जैसे नरेन्द्र मोदी और अमित शाह कह सकते थे कि हमें जनता ने ही तीसरी बार सत्ता सौंपी है और चुनाव में कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। लेकिन ये दोनों नेता इतनी सामान्य सी सफाई देना भी

जरूरी नहीं समझते। संभवतरु उन्हें पूरा यकीन है कि अब देश की तमाम संस्थाएं और व्यवस्था उनकी मुड़ी में आ चुकी हैं और उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं है तो वो किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हैं। प.बंगाल चुनाव जीतने के बावजूद जिस तरह टीएमसी के विधायकों और सांसदों को ममता बनर्जी से अलग करवा कर एक तरफ टीएमसी को दो फाड़ करवाया गया और दूसरी तरफ सांसदों को एनसीपीआई नाम की अनजानी पार्टी में भेजा गया, उससे यह भी जाहिर हो गया है कि संसद से लेकर विधानसभाओं तक मोदी—शाह अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं। यह पकड़ चुनाव में जीत के जरिए बने न बने, लेकिन जांच एजेंसियों के दबाव, धन और पद का लोभ आदि से बनाई जा सकती है। अब सवाल ये है कि आखिर मोदी—शाह हमेशा के लिए भाजपा की सत्ता क्यों बनाना चाहते हैं। लोकतांत्रिक राजनीति में जिसका भी यकीन होता है, वह इस सच्चाई को स्वीकार करके ही चलता है कि आज जीत मिली है, तो कल हार भी मिल सकती है। चुनाव में भले दावे किए जाएं कि जीत हमारी ही होगी, लेकिन ताकतवर और लोकप्रिय नेता भी चुनावी नतीजों के इंतजार में थोड़े तनाव में दिखते ही हैं। मोदी—शाह को यह तनाव क्यों नहीं होता, यह भी विचारणीय है। इन सवालों की पड़ताल करने के लिए देश में बड़ी सावधानी और चालाकी से किए जा रहे अहम फैसलों को समझना होगा। 2023 में जब विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसद निलंबित थे, तब अहम कानूनों में बदलाव किया गया और इसी दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त को हमेशा के लिए कानूनी संरक्षण दिया गया। मतलब पद पर रहने के दौरान को उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती, जब वो पद से हटेंगे, तब भी कोई

दीवानी या आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकेगी। इस कानून पर विपक्ष ने तो आपत्ति जाहिर की थी, और सवाल उठाए थे। लेकिन जनता के बीच इसकी जितनी चर्चा मीडिया के माध्यम से होनी चाहिए थी, वो नहीं हुई। क्योंकि जनता पूछ सकती थी कि आखिर मुख्य चुनाव आयुक्त से ऐसे कौन से काम करवाए जाने हैं, जो उन्हें आजीवन कानूनी संरक्षण दिया जा रहा है। खैर, इस कानून के जरिए भाजपा ने बेधड़क चुनावी गड़बड़ी का पक्का इंतजाम कर लिया। भाजपा का सत्ता पर बने रहना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए भी जरूरी है, क्योंकि इसी तरह हिंदू राष्ट्र का एजेंडा पूरा होगा। इसके लिए संविधान खत्म करना भी जरूरी है। अब नरेश समिति ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जिलावार पिछले 15 वर्षों में धार्मिक आबादी में आए बदलावों का डाटा मांगा है। यह डाटा वाहनों के पंजीकरण, संपत्ति की खरीद, स्कूल, कॉलेज में दाखिले, आधार, वोटर आईडी के धार्मिक आधार पर जुटाया जा रहा है। आसान शब्दों में कहें तो नागरिकों की धार्मिक प्रोफाइल तैयार की जा रही है। नस्लीय नफरत में अंधे हिटलर ने ऐसा ही काम अपने शासन में किया था। उसके बाद क्या तरह यहूदियों का कत्लेआम किया गया, सब जानते हैं। बताया जा रहा है कि राज्यों को धर्म के आधार पर इतना बड़ा डाटा इकट्ठा करने

में मुश्किल हो रही है क्योंकि इन मानकों पर अब तक डाटा इकट्ठा नहीं किया जाता था। जब भारत को उसकी मूल पहचान के साथ ही रहने देना है तो ऐसे डाटा की कोई जरूरत कभी थी ही नहीं। मगर अब घुसपैठियों पर कार्रवाई या ऐसे ही किसी फालतू से बहाने को लेकर भाजपा अपने इस फैसले को न्यायोचित ठहरा सकती है। हालांकि उसके असली मकसद को समझना कठिन नहीं है कि वह मुसलमानों, ईसाइयों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को अलग—थलग करने के लिए ऐसे डाटा का इस्तेमाल करेगी। भाजपा शैक्षणिक पाठ्यक्रम और सोशल मीडिया के जरिए भी भारत के असल ताने—बाने को तोड़ने में लगी है, क्योंकि इसी तरह हिंदू राष्ट्र बनाने में उसे आसानी होगी। इतिहास की मनमानी व्याख्या और तथ्यों को गलत पेश करने का काम तो मोदी सरकार में हुआ ही है, अब सामाजिक विज्ञान की किताब के जरिए आधुनिकता के नाम पर बच्चों को गुमराह किया जा रहा है। एनसीईआरटी ने नौवीं कक्षा की किताब में सेंगोल को शासन और सुशासन का सांस्कृतिक प्रतीक बताया है। इसी किताब में एक जगह लिखा है कि शाहजहां ने जब भव्य जामा मस्जिद बनवाई थी, तो उसी समय चित्तौड़ के राजा ने उदयपुर में जगदीश मंदिर बनवाया जो उतना ही भव्य और ऊंचा था। नौवीं कक्षा के मासूम बच्चों के मन में किस तरह मस्जिद बनाम मंदिर का विचार थोपा जा रहा है, यह उसकी ताजा मिसाल है। अबोध ा उम्र के इन बच्चों के मन में नफरत का बीज बोने का मकसद यही है कि कल उसका फल भाजपा को मिले। यही कोशिश संघ ने आजादी के वक्त भी की थी, लेकिन तब कांग्रेस की मजबूती के कारण उसे सफलता नहीं मिली।



फिल्म ‘दृश्यम 3 एक बार फिर शुरू हुई विजय सलगांवकर की आखिरी लड़ाई, सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है कहानी

अजय देवगन स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘दृश्यम 3’ आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ‘दृश्यम’ फ्रेंचाइजी की इस तीसरी कड़ी का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था ऐसे में फिल्म की रिलीज के साथ एक बार फिर विजय सलगांवकर की कहानी और उसके रहस्यों को जानने की उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, जयदीप अहलावत और मृणाल जाधव अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी कई साल बाद शुरू होती है जहां एक बार फिर विजय को सजा दिलाने के लिए तब्बू पूरी ताकत के साथ जुटी नजर आती हैं। इस बार मामले की जांच की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच के एसपी विक्रम तोमर को सौंपी जाती है जो अपनी तेज-तर्रार सोच और प्रभावशाली अंदाज में केस की हर कड़ी को जोड़ने की कोशिश करते हैं। वहीं, मामला एक बार फिर अदालत की चौखट तक पहुंचता है जहां विजय के खिलाफ प्रकाश राज खड़े होते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है पुराने राज और नए सबूत सामने आने लगते हैं और विजय के सामने एक बार फिर खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो जाती है। अब सवाल यही है कि इस बार विजय अपनी आखिरी लड़ाई जीत पाएगा या फिर उसे अपने किए की सजा भुगतनी पड़ेगी। फिल्म में अजय देवगन ने एक बार फिर विजय सलगांवकर के किरदार को बेहद सहजता और गंभीरता के साथ निभाया है। उनके चेहरे के हाव-भाव और संवाद अदायगी किरदार की बेचौनी, चालाकी और भावनात्मक पक्ष को प्रभावी ढंग से सामने लाते हैं। तब्बू अपने किरदार में दमदार नजर आती हैं और उनकी स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म को मजबूती देती है। श्रिया सरन ने भावनात्मक दृश्यों में अच्छा काम किया है और परिवार के बीच उनके किरदार की घबराहट और संवेदनशीलता नजर आती है। जयदीप अहलावत अपने सधे हुए अभिनय से फिल्म में एक अलग प्रभाव छोड़ते हैं। प्रकाश राज ने अपने अनुभव के साथ किरदार में गहराई जोड़ी है, जबकि रजत कपूर ने भी अपनी भूमिका को सहजता से निभाया है। इशिता वत्ता और मृणाल जाधव ने भी अपने किरदार के मुताबिक प्रभावी अभिनय किया है।



फिल्म ‘दृश्यम 3 द कन्क्लूजन’ का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। उन्होंने कहानी के सस्पेंस और थ्रिल को बरकरार रखते हुए फिल्म के हर सीन को काफी बारीकी से गढ़ने की कोशिश की है। निर्देशन की खासियत यह है कि कहानी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया गया है जिससे

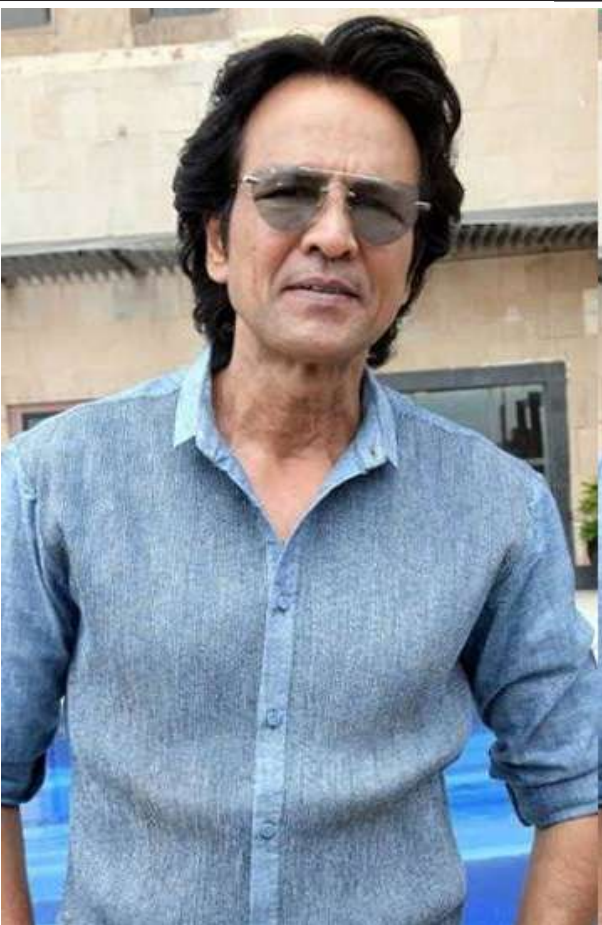
दर्शकों की उत्सुकता बनी रहती है। किरदारों के बीच तनाव, भावनात्मक दृश्यों और महत्वपूर्ण मोड़ को स्क्रीन पर प्रभावी ढंग से पेश किया गया है। हालांकि कुछ जगहों पर कहानी की रफ्तार थोड़ी धीमी महसूस होती है लेकिन कुल मिलाकर फिल्म आपको बांधे रखेगी।

गोविंदा-कोमल रानी के अफेयर रूमर्स पर एक्ट्रेस, कहा- अच्छा नहीं कह सकते तो कुछ न बोलें

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्टर का नाम उनकी को-एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कुछ मौकों पर साथ स्पॉट किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर उनके अफेयर की अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सेलिब्रिटीज की पर्सनल लाइफ को लेकर होने वाली गॉसिप और महिलाओं को लेकर की जाने वाली टिप्पणियों पर सवाल उठाए हैं। कुब्रा सैत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने गोविंदा का जिक्र करते हुए कहा कि वह उन्हें देखते हुए बड़ी हुई हैं और उनके लिए गोविंदा एक सुपरस्टार, आइकॉन और लेजेंड हैं। उन्होंने कहा कि 90 के दशक में गोविंदा का अलग ही दौर था। इसके बाद कुब्रा ने सवाल उठाया कि आज अगर कोई लड़की किसी अभिनेता के आसपास दिखाई दे तो उसे तुरंत ‘मिस्ट्री वुमन’ या ‘रूमर्ड गर्लफ्रेंड’ क्यों कहा जाने लगता है। उन्होंने कहा कि किसी को सिर्फ साथ दिखाई देने के आधार पर किसी रिश्ते को लेकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। कुब्रा ने यह भी कहा कि वह गोविंदा को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानतीं, हालांकि वह उनकी पत्नी सुनीता आहूजा से मिल चुकी हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि किसी सेलिब्रिटी या उसके आसपास मौजूद महिला से बार-बार उन अफवाहों पर सफाई क्यों मांगी जाती है, जिन्हें उन्होंने



खुद शुरू नहीं किया। उन्होंने कहा कि गॉसिप कब किसी व्यक्ति के बारे में राय बनाने या उसे जज करने का जरिया बन गई, यह समझना जरूरी है। कुब्रा ने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर किसी के बारे में कमेंट करने या विलकबेट कंटेंट बनाने से पहले एक बार खुद से पूछें कि ऐसा करने की जरूरत क्यों है। कुब्रा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और उनसे हर बात पर खुद को सही साबित करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर किसी के बारे में कुछ अच्छा नहीं कह सकते तो कुछ न कहें और सिर्फ फैन बनकर अपने पसंदीदा कलाकार के काम का आनंद लें।



अभिनेता केके मेनन का 60वां जन्मदिन, थ्येटर से लेकर ओटीटी तक ऐसा रहा सफर

बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेता के के मेनन आज यानी की 02 अक्टूबर को अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। फिल्मों में आने से पहले वह थिएटर करते थे, जहां पर उन्होंने अपने अभिनय को निखारा। इसके बाद उन्होंने टीवी और फिर ओटीटी और बॉलीवुड फिल्मों में अपना जादू चलाया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता के के मेनन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार
केरल के तिरुवनंतपुरम में 2 अक्टूबर 1966 को के के मेनन का जन्म हुआ था। इनका पूरा नाम कृष्णा कुमार मेनन है। इनकी परवरिश महाराष्ट्र के पुणे शहर में हुई थी और इन्होंने यहीं से अपनी पढ़ाई भी पूरी की। के के मेनन ने एमबीए किया और मुंबई से फिजिक्स में बैचलर डिग्री हासिल की। थिएटर से की एविटिंग की शुरुआत कॉलेज में पढ़ाई खत्म करने के बाद केके मेनन ने एक एड कंपनी में नौकरी की। वहीं उनके अभिनय करियर की शुरुआत थिएटर से हुई। थिएटर में उनको पहली बार जाने-माने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने नसीरुद्दीन के नाटक श्महात्मा वर्सेज गांधीश काम किया। फिर वह सालों तक थिएटर से जुड़कर काम करते रहे।

टीवी डेब्यू
थिएटर में अच्छा-खासा एक्सपीरियंस होने के बाद उनको टीवी में काम करने का मौका मिला। केके मेनन की सीरियल श्दरश् से छोटे पर्दे पर शुरुआत हुई। इस सीरियल में अभिनेता ने इंस्पेक अविनाश का रोल निभाया था। फिर अभिनेता ने प्रधानमंत्री नाम के शो में काम किया था। केके मेनन ने छोटे पर्दे पर श्रध्दानमंत्री टाइम बमश, शसैटरडे सरपेंस और श्टार बेस्ट सेलरश्, जैसे शो में काम किया। इसके अलावा साल 1999 में उन्होंने अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बनी शॉर्ट फिल्म ‘लास्ट ट्रेन टू महाकाली’ में भी काम किया।

बॉलीवुड में बनाई पहचान
फिल्म शनसीमश् से केके मेनन ने बॉलीवुड में कदम रखा। लेकिन अभिनेता को असली पहचान फिल्म सत्या से मिली थी। इसके बाद उन्होंने साल 1998 में आई फिल्म बॉम्बे बॉयज में काम किया। फिर वह कई फिल्मों में नजर आए। उन्होंने बेबी, गाजी अटैक, लाइफ इन ए मेट्रो, सरकार, ब्लैक फ्राइडे, गुलाल और हैदर सहित कई शानदार फिल्मों में नजर आए और उन्होंने खुद को एक बेहतरीन अभिनेता के तौर पर इंडस्ट्री में साबित किया। ओटीटी पर चलाया जादू
केके मेनन ओटीटी पर भी अपने बेहतरीन अभिनय की छाप छोड़ चुके हैं। हॉटस्टार की स्पेशल ऑप्स वेब सीरीज में केके मेनन ने हिम्मत सिंह नाम के रोल से दर्शकों का दिल जीता। इसके अलावा कॉमेडी शो शआदर्श बाल विद्यालयश् में भी उनके किरदार को काफी पसंद किया गया।

सक्षिप्त



शॉपिंग मश्रल में घटी खुदरा स्थानों की मांग, मुख्य बाजारों में 33 प्रतिशत उछाल

देश के आठ प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में शॉपिंग मॉल में खुदरा स्थानों की पट्टा मांग 38 प्रतिशत घटकर 7.1 लाख वर्ग फुट रह गई। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड के अनुसार, 2026 की तीसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 'हाई-स्ट्रीट' (मुख्य बाजारों) पर खुदरा स्थलों की पट्टा मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 15.1 लाख वर्ग फुट हो गई। इन आठ शहरों में मुंबई, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद शामिल हैं। शॉपिंग मॉल और 'हाई-स्ट्रीट' को मिलाकर कुल खुदरा स्थलों की पट्टा मांग जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब पांच प्रतिशत घटकर 22.2 लाख वर्ग फुट रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23.3 लाख वर्ग फुट थी। जुलाई-सितंबर 2026 में खुदरा स्थल की पट्टा मांग में 'हाई-स्ट्रीट' स्थानों का दबदबा रहा। इनकी कुल सकल पट्टा मांग में 68 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। वहीं, शॉपिंग मॉल का हिस्सा कुल 32 प्रतिशत रहा। आठ शहरों में केवल मुंबई और पुणे में लीज गतिविधियां घटीं। बाकी छह शहरों में इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई। जुलाई-सितंबर तिमाही में गिरावट के बावजूद जनवरी-सितंबर अवधि में कुल खुदरा स्थल की पट्टा मांग मामूली बढ़कर 65.7 लाख वर्ग फुट हो गई। कुशमैन एंड वेकफील्ड के कार्यकारी प्रबंध निदेशक (मुंबई एवं नया कारोबार) गौतम सराफ ने कहा, "भारत का खुदरा बाजार लगातार स्थिर मांग दिखा रहा है, हालांकि अच्छी गुणवत्ता वाले खुदरा स्थल की उपलब्धता सीमित बनी हुई है।" उन्होंने कहा कि जनवरी-सितंबर अवधि में कुल पट्टा गतिविधियां बढ़ीं, जबकि आठों शहरों में कोई नया शॉपिंग मॉल शुरू नहीं हुआ।

हिंडाल्को ने यूएस फर्म एलुकैम का 12.5 करोड़ डॉलर का अधिग्रहण टाला

आदित्य बिड़ला समूह की धातु क्षेत्र की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोदे को पूरा करने में लगातार हो रही देरी के बीच अमेरिका स्थित एलुकैम कंपनीज इंक के 12.5 करोड़ डॉलर के प्रस्तावित अधिग्रहण की योजना रद्द कर दी है। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख धातु कंपनी ने बृहस्पतिवार देर रात बीएसई को दी सूचना में बताया कि हिंडाल्को और अमेरिका स्थित कंपनी ने एलुकैम तथा उसके विशेष कैल्साइंड और टेब्यूलर एल्युमिना कारोबार के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए किए गए इक्विटी खरीद समझौते को संयुक्त रूप से समाप्त करने का फैसला किया है। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने कहा कि हालांकि, विशेष एल्युमिना कारोबार का विस्तार करने की उसकी रणनीति बरकरार है। सूचना में कहा गया, "एलुकैम कंपनीज इंक (एलुकैम) और उसके विशेष कैल्साइंड तथा टेब्यूलर एल्युमिना कारोबार के प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर एलुकैम और कंपनी ने उचित विचार-विमर्श के बाद इक्विटी खरीद समझौते को समाप्त करने का संयुक्त रूप से फैसला किया है, क्योंकि सोदे को पूरा करने में ऐसी देरी हुई जो किसी भी पक्ष के नियंत्रण से बाहर थी।" हिंडाल्को ने कहा कि उच्च मूल्य वाले, प्रौद्योगिकी आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों के जरिये अपने विशेष एल्युमिना कारोबार का विस्तार करने की उसकी रणनीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह अमेरिका समेत अन्य बाजारों में अवसर तलाशती रहेगी। सूचना में कहा गया कि एलुकैम पिछले 48 वर्षों की तरह विशेष एल्युमिना की पूरी मूल्य श्रृंखला में अपने ग्राहकों को स्वतंत्र रूप से सेवाएं देती रहेगी। पिछले साल जून में घोषित इस सोदे के तहत हिंडाल्को की पूर्ण स्वामित्व वाली अप्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी आदित्य होल्डिंग्स एलएलसी द्वारा एलुकैम का 12.5 करोड़ डॉलर के उद्यम मूल्य पर अधिग्रहण किया जाना था। यह सोदा सामान्य समापन शर्तों और नियामकीय मंजूरियों के अधीन था। एलुकैम कंपनीज विशेष एल्युमिना की विनिर्माता है। हिंडाल्को का एल्युमिना कारोबार विशेष एल्युमिना और एल्युमिना हाइड्रेट पर केंद्रित है, जिनका विनिर्माण कंपनी अपने संयंत्रों में करती है।

जी20 व्यापार वार्ता में अधिक उत्पादन और कम कीमतों पर नहीं बनी सहमति, विवाद बरकरार

मिल्वॉकी (अमेरिका)। जी20 देशों के व्यापार मंत्रियों ने बृहस्पतिवार को बाजारों में जरूरत से अधिक उत्पादन और कम कीमत वाले सामान की भरमार को रोकने के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इससे अमेरिकी विनिर्माताओं को नुकसान हो रहा है। बैठक से बाहर निकलते हुए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि जरूरत से अधिक उत्पाद की समस्या पर आम सहमति नहीं बनने के बावजूद बातचीत रचनात्मक रही। ग्रीर ने कहा, "लगभग सभी देशों ने माना कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर कार्रवाई की जरूरत है। साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए व्यापार में सुधारात्मक उपायों और जवाब देने की हमारी मौजूदा व्यवस्था अपर्याप्त है।" अमेरिका ने व्यापारिक साझेदारों पर मांग से अधिक मात्रा में कई तरह के सामान का उत्पादन करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि इससे कीमतें नीचे आती हैं और प्रतिस्पर्धा का संतुलन अनुचित रूप से बिगड़ता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन चीन को इसका सबसे बड़ा दोषी मानता है, लेकिन उसने नॉर्वे से लेकर बांग्लादेश तक के देशों के खिलाफ जांच शुरू की है। चीन में बने इस्पात के अलावा प्रशासन का कहना है कि वाहन, बैटरी, कागज और सेमीकंडक्टर समेत कई उद्योगों में जरूरत से अधिक उत्पादन की समस्या रही है जिससे अमेरिका अपने प्रतिस्पर्धियों से पिछड़ रहा है। जी20 के प्रतिनिधियों की मिल्वॉकी में हुई बैठक में अमेरिका और कनाडा के बीच जारी सबसे बड़े व्यापार विवाद में किसी बड़ी सफलता के संकेत नहीं मिले। गर्मियों के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के कनाडा के आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जिसके जवाब में कनाडा ने भी तत्काल अपने शुल्क लगा दिए। इस सप्ताह स्थिति और बिगड़ गई, जब ट्रंप ने करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के कनाडा के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया जिसमें मादक पेय, डेयरी उत्पाद और मोटरसाइकिल शामिल हैं।

खेल

शुभमन गिल की नजरें क्लीन स्वीप पर, तीसरे ओडीआई में रवीन्द्र जडेजा की फॉर्म पर टिकी नजर

पहले दो मैच में जीत हासिल करके क्लीन स्वीप की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी गेंदबाजी की गुत्थी सुलझानी होगी जिसमें अनुभवी रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। भारत ने सीरीज में दबदबा बनाए रखा है, लेकिन उनके प्रदर्शन के बजाय चर्चा पिच के बल्लेबाजी के अनुकूल होने पर केंद्रित रही है, क्योंकि पिछले वनडे में 800 से अधिक रन बने थे। इन परिस्थितियों की आलोचना करने वालों में भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, जो बल्ले और गेंद के बीच संतुलन देखना चाहते हैं। सीरीज में पहले ही अजेय बढ़त ले चुकी भारतीय टीम अब अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन गेंदबाजी

कमजोर रही है। दोनों मैचों में पहले 10 ओवरों में सिर्फ एक विकेट मिला है और दोनों पावरप्ले में 177 रन लुटाए गए। भारत को बीच के ओवरों में भी विकेट लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कुलदीप यादव को अन्य गेंदबाजों से ज्यादा सहयोग नहीं मिल रहा है। जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने पिछले आठ मैचों में सिर्फ तीन विकेट लिए हैं। गिल बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज का 2024 से घरेलू वनडे मैचों में औसत 79.3 है और इस सीरीज में वह पहले ही एक शतक और एक दोहरा शतक लगा चुके हैं। गिल की नाबाद 223 रन की पारी की मदद से भारत ने पिछले मैच में रिकॉर्ड 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी इस सीरीज में उपयोगी पारियां खेलने का मौका मिला। लेकिन अब तक केवल चार भारतीय बल्लेबाजों को ही बल्लेबाजी का मौका मिला है। केएल राहुल, नमन धीर और



जडेजा ने अभी तक बल्लेबाजी नहीं की है। भारत के लिए सबसे बड़ी समस्या गेंदबाजी आक्रमण है। प्रसिद्ध कृष्णा बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) में चोट के कारण अंतिम वनडे से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। मोहम्मद सिराज को पहले दो मैच में खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन वह इस मैच में वापसी कर सकते हैं। हैदराबाद के इस तेज गेंदबाज

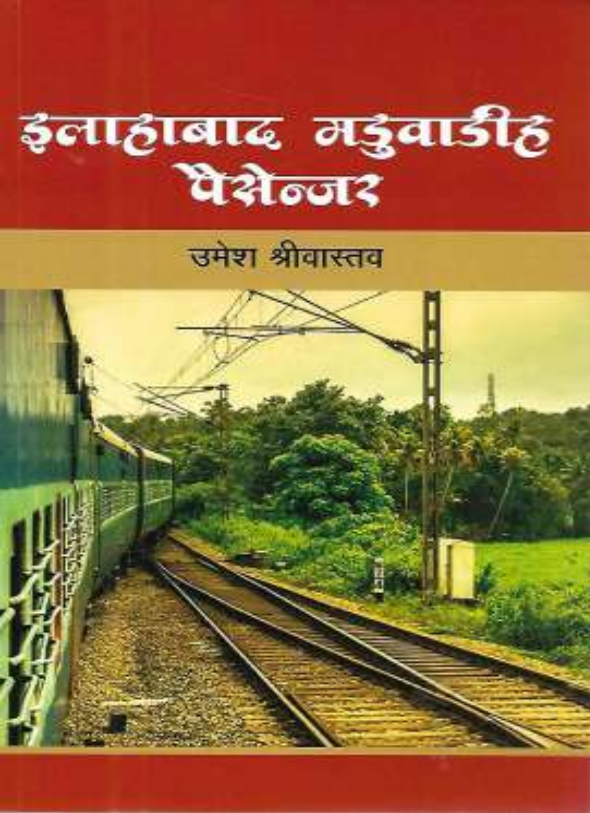
ने श्रीलंका दौरे के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ लय नहीं पकड़ी है। वह हालांकि सीमित ओवरों के प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। भारत के वनडे तेज गेंदबाजी आक्रमण में जगह पाने की होड़ लगातार बढ़ती जा रही है। गुरनूर बराड़, प्रसिद्ध और आकिब नबी जैसे खिलाड़ी भी दावेदारों में शामिल हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह की जगह पक्की बनी हुई है। इसलिए युवा तेज गेंदबाजों के लिए यह आखिरी वनडे मैच

इस साल के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज से पहले अपनी दावेदारी मजबूत करने का एक और मौका होगा। मुल्तापुर में पहली बार पुरुषों का वनडे मैच खेला जा रहा है, ऐसे में गेंदबाजों को उम्मीद होगी कि यहां की पिच तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी की पिचों की तुलना में अधिक मददगार साबित होगी। वेस्टइंडीज भले ही सीरीज हार चुका है लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया

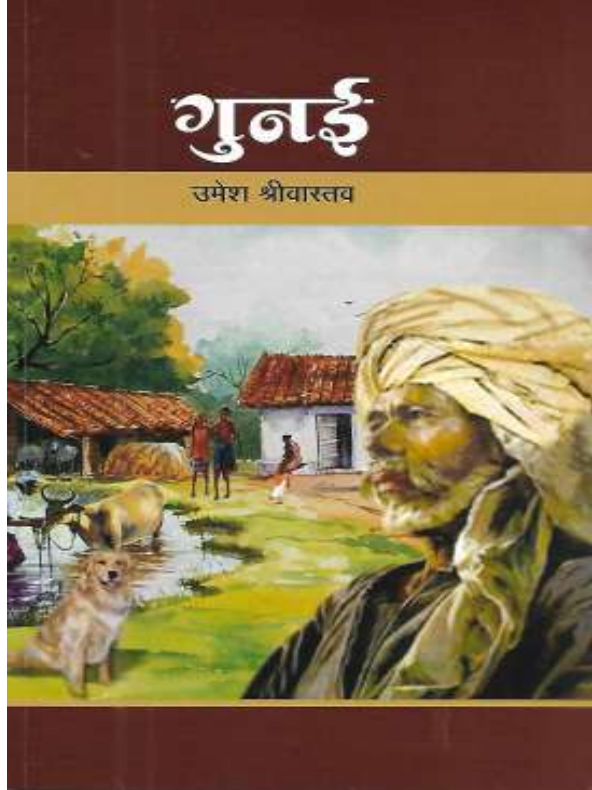
इंग्लैंड ODI Squad में आदिल राशिद और सैम करन की वापसी, जोफ्रा आर्चर को आराम

इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान में होने वाली एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के लिए तैयार है, लेकिन इस दौरे पर उसे अपने 2 बड़े खिलाड़ियों के बिना उतरना होगा। जोस बटलर चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को लगातार व्यस्त कार्यक्रम के बाद आराम दिया गया है। इस सीरीज में इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ श्रीलंका की टीम भी खेलेगी। बता दें कि बटलर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान जांच की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट लगी थी। इसी वजह से उन्हें पाकिस्तान दौरे से बाहर रखा गया है। दूसरी ओर, आर्चर को हाल ही में खत्म हुए इंग्लैंड के व्यस्त घरेलू सत्र के बाद आराम दिया गया है। टीम प्रबंधन ने उनके काम के बोझ को देखते हुए यह फैसला लिया है। इंग्लैंड

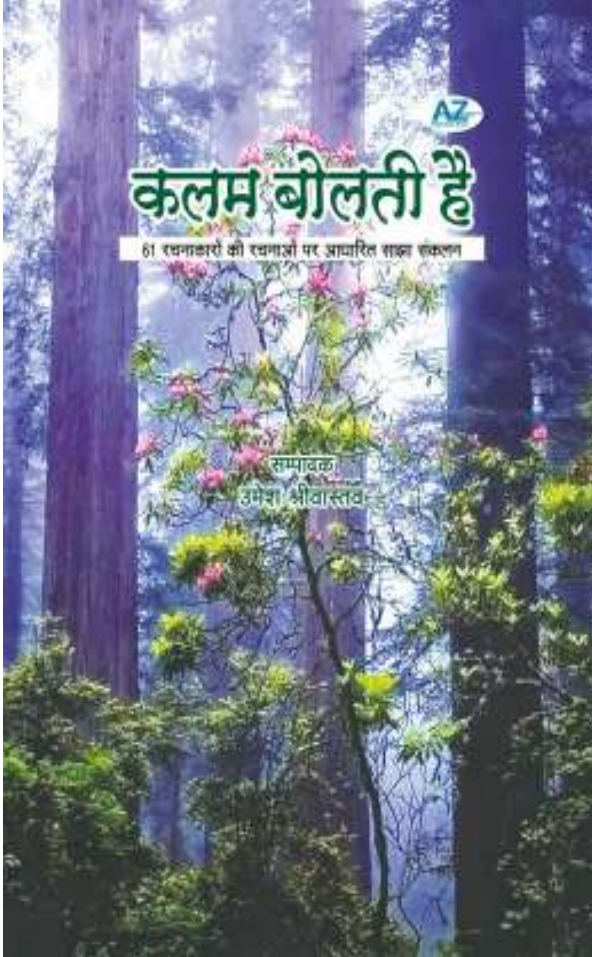
की 16 सदस्यीय टीम में लेग स्पिन गेंदबाज आदिल राशिद की वापसी हुई है। हाथ में चोट के कारण वह श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की 2-1 से जीती एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेल पाए थे। अब पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें पाकिस्तान दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर सैम करन भी चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। उन्हें जांच के पास की चोट के कारण पिछले मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था। उनकी वापसी से इंग्लैंड के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में एक ओर विकल्प मौजूद रहेगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, ग्लेमॉर्गन के लेग स्पिन गेंदबाज मेसन क्रेन की भी लंबे समय बाद इंग्लैंड की टीम में वापसी हुई है। क्रेन ने आखिरी बार करीब 8 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। उनके नाम



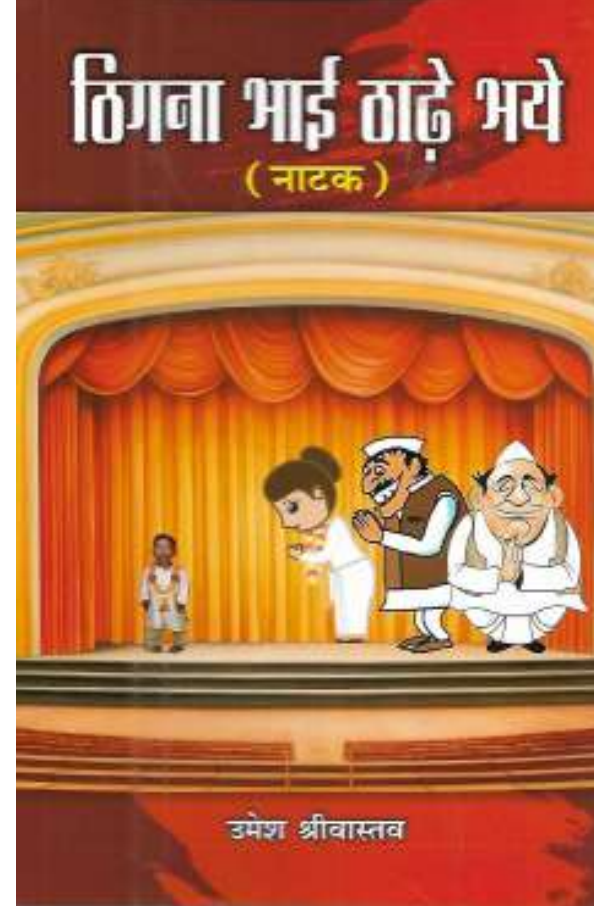
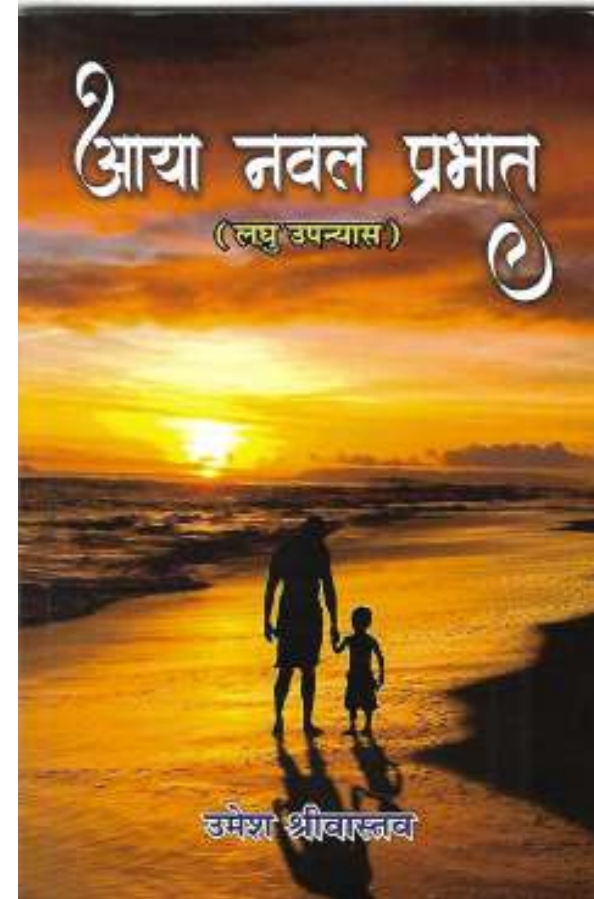
समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



2 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हैं। उन्हें जनवरी 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी एशेज टेस्ट के लिए भी टीम में चुना गया था। हालांकि, उन्होंने अभी तक इंग्लैंड के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। इंग्लैंड ने ससेक्स के युवा खिलाड़ियों जेम्स कोल्स और हेनरी क्रोकोम्ब को भी टीम में बरकरार रखा है। दोनों खिलाड़ी इस गर्मी में इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीम के साथ जुड़े रहे हैं, लेकिन अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण नहीं कर पाए हैं।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

